Roll No. ..... Total Pages: 04

1132

1ST YEAR ARTS EXAMINATION, 2019

Philosophy

Paper – I

INDIAN PHILOSOPHY

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – A / खण्ड– अ

Q.1 Answer the following questions –
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(a) Write the name of NASTIK School of India Philosophy.
भारतीय दर्शन में नास्तिक साम्प्रदायों के नाम लिखिए।

(b) Define "PRAMA" according to Nyaya philosophy.
न्याय दर्शन के अनुसार ''प्रमा'' को परिभाषित कीजिए।

(c) Write the name of "Padarthas" according to Vaisesika philosophy.
वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थों के नाम लिखिए।

(d) What is the Reality according to Shankar?
शंकर के अनुसार 'सत्' क्या है?

(e) What is the meaning of "Doctrine of Momentariness" in Buddhism?
बौद्ध सम्प्रदाय में ''क्षणिकवाद के सिद्धान्त'' का क्या अर्थ है?

(f) Name the "Four Noble Truths".
''चार आर्य सत्य'' के नाम लिखिए।

(g) Write the name of Prakriti's three Gunas according to Samkhya Philosophy.
साँख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति के तीन गुणों के नाम लिखिए।

(h) Define "Yoga" according to Patanjali.
पतंजलि के अनुसार ''योग'' को परिभाषित कीजिए।

(i) Which philosophy is called "Lokayat Darshan"?
किस दर्शन को ''लोकायत दर्शन'' कहते हैं?

(j) What are the sources of knowledge according to Purv – Mimamsa?
पूर्व – मीमांसा के अनुसार ज्ञान के स्त्रोत क्या हैं?

PART – B / खण्ड– ब

UNIT –I / इकाई – I

Q.2 Explain the theory of "Panch Mahavrats" in Jainism.
जैन दर्शन में ''पंच महाव्रत'' के सिद्धान्त को समझाइए।

Q.3 Explain in detail the "Inference" of Nyaya.
न्याय दर्शन के ''अनुमान प्रमाण'' को विस्तार से समझाइए।

UNIT –II / इकाई – II

Q.4 Describe the "Padarthas" according to Vaisesik philosophy.
वैशेषिक दर्शन के अनुसार ''पदार्थों'' का वर्णन कीजिए।

Q.5 Explain "Brahaman" according to Samkara.
शंकर के अनुसार ''ब्रह्मन'' की व्याख्या कीजिए।

UNIT –III / इकाई – III

Q.6 Explain clearly the four "Noble-Truths" of Buddhism.
बुद्ध के चार आर्य – सत्यों की स्पष्ट व्याख्या कीजिए।

Q.7 Explain the doctrine of dependent origination of Buddhism.
बुद्ध के प्रतीव्य – समुत्पाद के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

UNIT –IV / इकाई – IV

Q.8 Explain the concept of "Satkaryavaad" according to Samkhya Darshan.
सांख्य दर्शन के अनुसार ''सत्कार्यवाद'' के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Q.9 Explain "Eight – Fold – Path" of yoga philosophy.
योग दर्शन के ''अष्टांग – मार्ग'' की विवेचना कीजिए।

UNIT –V / इकाई – V

Q.10 Elaborate "Metaphysics" of Charvaka.
चार्वाक की तत्वमीमांसा की विवेचना कीजिए।

Q.11 Discuss the theory of "Svatah - Pramanyavada" of the Purva – Mimansa.
पूर्व – मीमांसा के स्वतः प्रामाण्यवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

PART – C / खण्ड– स

Q.12 Explain general characteristics of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताओं को समझाइए।

Q.13 Discuss briefly Samkara's conception of world.

शंकर के जगत् विचार का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Q.14 Describe the Doctrine of momentariness in Buddhism.

बौद्ध दर्शन में ''क्षणिकवाद'' के सिद्धान्त का विवरण दीजिए।

Q.15 Explain critically the Samkhaya theory of Evaluation.

साँख्य – दर्शन के विकासवाद की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

Q.16 Explain the contribution of "Charvaka" Philosophy to Indian thought?

भारतीय विचारधारा में चार्वाक – दर्शन के योगदान की व्याख्या कीजिए।